SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वार्षिक रिपोर्ट 2005-2006

Annual Report 2005-2006

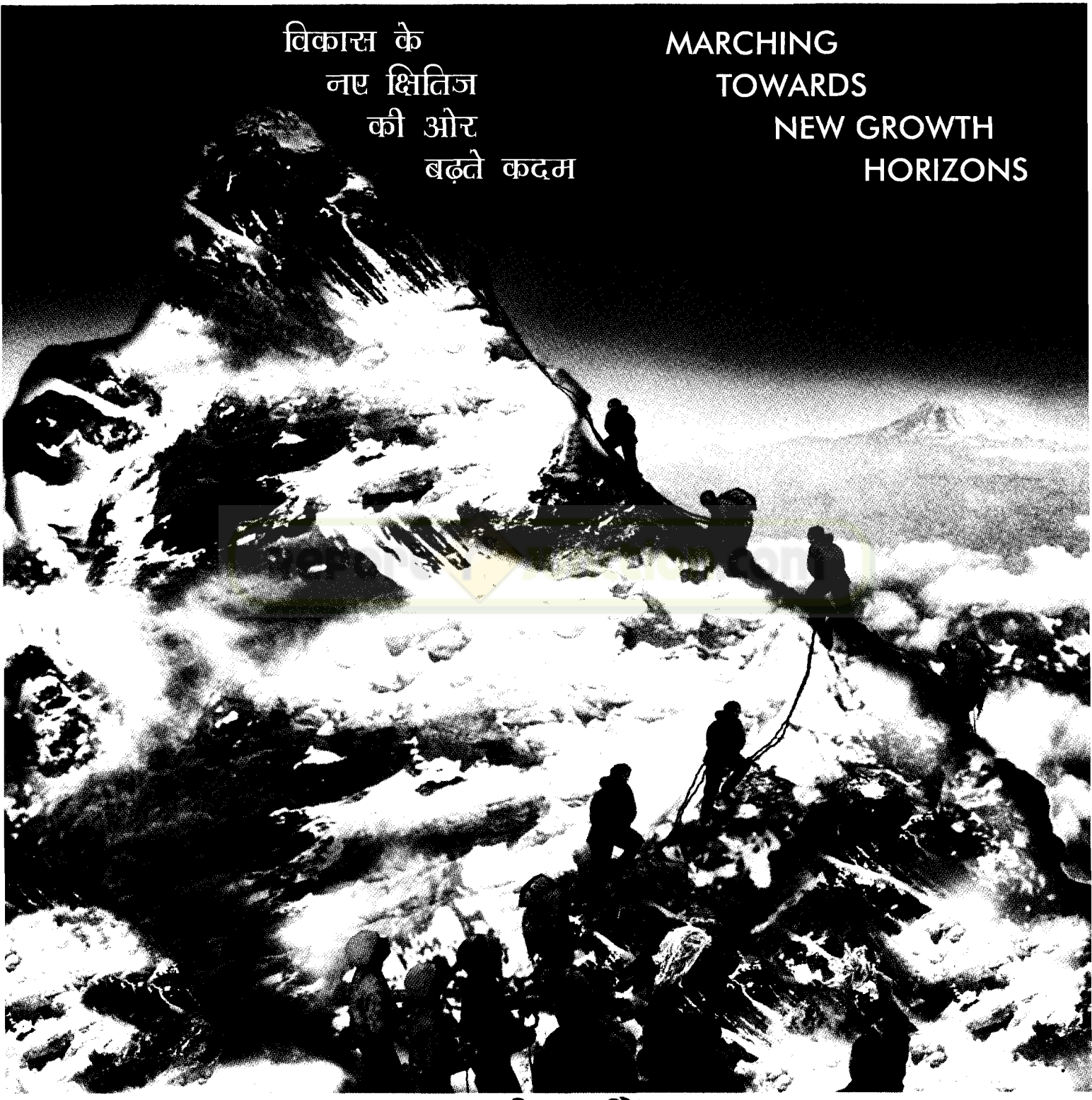

देना बैंक
DENA BANK
(भारत सरकार का एक उद्यम)
(A Government of India Enterprise)
Trusted Family Bank

VISION 2010
TEAM
Together Each Achieves More
SUCCESS

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वर्ष 2005-06 के लिए बैंक के तुलन पत्र पर हस्ताक्षर का अवसर

Sheet for the year 2005-06

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

निदेशक मण्डल BOARD OF DIRECTORS

श्री पी.एल. गैरोला
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
Shri P.L. Gairola
Chairman & Managing Director
(w.e.f.17-05-2006)

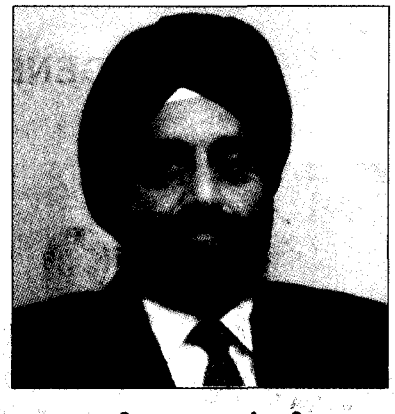

श्री यू.एस. कोहली
कार्यपालक निदेशक
Shri U. S. Kohli
Executive Director

श्री सुदेश कुमार
Shri Sudesh Kumar

श्री यू.एस. पालीवाल
Shri U.S. Paliwal

श्री सुधीर के. जोशीपुरा
Shri Sudhir K. Joshipura

श्री सी.एम. दीक्षित
Shri C.M. Dixit

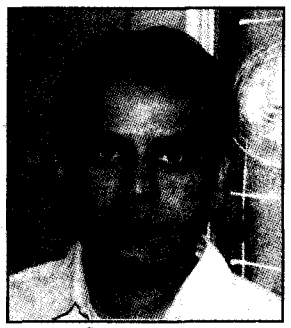

श्री अनूप मेहता
Shri Anup Mehta

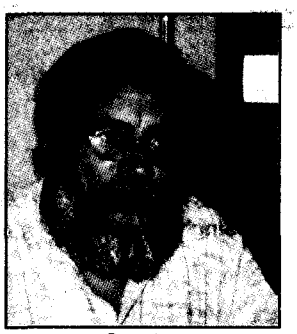

डॉ. अनिल के. गुप्ता
Dr. Anil K. Gupta

वर्ष 2005-2006 के दौरान निम्नलिखित निदेशक भी बैंक के निदेशक मण्डल में शामिल रहे :

During the year 2005-2006, the following Directors also served on the Board of Directors of the Bank :

श्री एम.वी. नायर (अ.प्र.नि.)
Shri M. V. Nair (CMD)
(Upto 31-03-06 तक)

श्री आर. रंगनाथ
Shri R. Renganath
(Upto 24-04-05 तक)

श्री बी.टी.आर. रेड्डी
Shri B.T.R. Reddy
(Upto 30-04-05 तक)

श्री सुभाष चन्द्र वधवा
Shri Subhash C. Wadhwa
(Upto 18-01-06 तक)

श्री अतुल अशोक गलांडे
Shri Atul Ashok Galande
(Upto 18-01-06 तक)

श्री मनु चड्ढा
Shri Manu Chadha
(Upto 18-01-06 तक)

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

शीर्ष प्रबंधन वर्ग TOP MANAGEMENT TEAM

महाप्रबंधकगण
GENERAL MANAGERS

(बैठे हुए - बाएं से दाएं Sitting - Left to Right)

श्री अरुण सिंह बारहठ
Shri Arun Singh Barhat

श्री एम.जी संघवी
Shri M.G. Sanghvi

श्री पुरुषोत्तम कुमार
Shri Purushottam Kumar

श्री आर.एन. प्रदीप
Shri R.N. Pradeep

श्री तिलक राज चावला
Shri Tilak Raj Chawla

(खड़े हुए - बाएं से दाएं Standing - Left to Right)

श्री आनन्दी लाल
Shri Anandi Lal

श्री आर.एम. सुर्वे
Shri R.M. Surve

श्री आर. श्रीधरन
Shri R. Sridharan

श्री पी. परेश कुमार
Shri P. Paresh Kumar

श्री प्रकाश एल. जक्कनवार
Shri P.L. Jakkanwar

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

विषय सूची CONTENTS

पृष्ठ Page

वर्षवार तुलनात्मक कार्यनिष्पादन
Yearwise Comparative Performance 04
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य
Chairman & Managing Director's Statement 05
2005-06 के संक्षिप्त कार्य-परिणाम
Summarised Working Results-2005-06 08
सूचना
Notice 09
वर्ष 2005-06 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट
Directors' Report- 2005-06 12
कार्पोरेट अभिशासन
Corporate Governance 43
तुलन पत्र
Balance Sheet 62
लाभ एवं हानि लेखे
Profit & Loss Account 63
लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
Report of the Auditors 86
नकदी प्रवाह विवरण
Cash Flow Statement 88
शेयरधारकों की सूचना के लिए
For Shareholders Information 90
मुख्तारी फार्म (संलग्न)
Proxy Form(Enclosed) 91
उपस्थिति सह-प्रवेश-पर्ची (संलग्न)
Attendance-cum-Entry Slip (Enclosed) 93
स्मरणीय पल
Memorable Moments 95

लेखा परीक्षकगण Auditors

मैसर्स खण्डेलवाल काकानी एण्ड कं., इंदौर
M/s. Khandelwal Kakani & Co., Indore

मैसर्स एस. जयकिशन, कोलकाता
M/s. S. Jaykishan, Kolkata

मैसर्स गांधी मिनोचा एण्ड कं., दिल्ली
M/s. Gandhi Minocha & Co., Delhi

मैसर्स भुदलाडिया एण्ड कं., नई दिल्ली
M/s. Bhudladia & Co., New Delhi

मैसर्स नृपेन्द्र एण्ड कं. कानपुर
M/s Nripendra & Co., Kanpur

प्रधान कार्यालयः देना कारपोरेट सेंटर, सी-10, जी ब्लाक, बांद्रा-कुर्ला काम्प्लेक्स, बांद्रा (पू.), मुंबई 400 051
Head Office: Dena Corporate Centre, C-10, G Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai 400 051.

निवेशक संपर्क केन्द्रः देना कारपोरेट सेंटर, सी-10, जी ब्लाक, बांद्रा-कुर्ला काम्प्लेक्स, बांद्रा (पू.), मुंबई 400 051
Investor Relations Centre: Dena Corporate Centre, C-10, G Block, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai 400 051.

पंजीयक एवं शेयर हस्तांतरण एजेंटः शेयरप्रो सर्विसेज (इन्डिया) प्रा. लि., साटम इस्टेट, 3 री मंजिल, कार्डिनल ग्रेशियस रोड, चकाला, अंधेरी (पूर्व), मुंबई 400 099.
Registrars & Share Transfer Agents: Sharepro Services (India) Pvt. Ltd., Satam Estate,3rd Floor, Cardinal Gracious Road, Chakala, Andheri (E), Mumbai-400 099.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वर्षवार तुलनात्मक कार्य-निष्पादन YEAR WISE COMPARATIVE PERFORMANCE

(करोड़ रु. में) (Rs. in Crore)

कार्य-निष्पादन मानदंड	Performance Parameters	2003-2004	2004-2005	2005-2006
कारोबारी माध्यम एवं संसाधन	***Delivery Channels & Resources:***			
शाखाओं की संख्या	Number of Branches	1135	1123	1122
इनमें से कम्प्यूटरीकृत शाखाओं की संख्या	Of which Computerised Branches	922	1123	1122
एटीएम की संख्या	No. of ATMs	101	115	240
कर्मचारियों की संख्या	No. of Employees	10347	10201	10156
पूंजी एवं आरक्षितियाँ	***Capital & Reserves:***			
पूंजी	Capital	206.82	286.82	286.82
आरक्षितियां (पुनर्मूल्यांकन आरक्षितियों को छोड़कर)	Reserves (Excluding Revaluation Reserve)	726	663	779
पूंजी पर्याप्तता अनुपात (%)	Capital Adequacy Ratio (%)	9.48	11.91	10.62
कारोबार	***Business:***			
कुल जमाराशियां	Total Deposits	19214	20897	23623
% वृद्धि	% Increase	11.27	8.76	13.05
ऋण एवं अग्रिम (निवल)	Loans & Advances (Net)	9412	11309	14231
% वृद्धि	% Increase	11.57	20.16	25.84
विनिधान (निवल)	Investments (Net)	9736	9697	8571
% वृद्धि	% Increase	14.54	(-)0.40	(-) 11.61
निम्नलिखित को ऋण एवं अग्रिम	***Loans & Advances to:***			
– प्राथमिकता क्षेत्र	- Priority Sector	4204	4755	6074
– कृषि	- Agriculture	1744	1749	2363
– लघु उद्योग	- Small Scale Industries	1318	1257	1321
–% के रूप में प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम	- Priority Sector Advances in % terms	44.65	42.46	42.20
वित्तीय स्थिति	***Financials:***			
परिचालनगत लाभ	Operating Profit	710.59	382.18	620.32
निवल लाभ	Net Profit	230.50	61.00	72.99
आस्ति गुणवत्ता अनुपात	***Asset Quality Ratios:***			
सकल अग्रिमों की तुलना में सकल गैर निष्पादक अस्तियों का अनुपात %	Gross NPA to Gross Advances Ratio %	14.82	9.67	6.44
निवल अग्रिमों की तुलना में निवल गैर निष्पादक अस्तियों का अनुपात %	Net NPA to Net Advances Ratio %	9.40	5.23	3.04
उत्पादकता अनुपात	***Productivity Ratios:***			
प्रति कर्मचारी कारोबार	Per Employee Business	2.74	3.11	3.64
प्रति शाखा कारोबार	Per Branch Business	26.96	30.73	36.11

* पूर्नसमूहित आँकड़े Figures regrouped

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

प्रिय शेयरधारको,

17 मई 2006 को बैंक के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का कार्यभार संभालने पर वित्तीय वर्ष 2005-2006 के लिए आपके बैंक की वार्षिक रिपोर्ट आपको प्रस्तुत करते हुए मुझे गौरव की अनुभूति हो रही है.

सकल घरेलू उत्पाद की 8% की दर तथा मुद्रास्फिति के संभावित 4% के स्तर के साथ भारतीय अर्थव्यवस्था जहां मजबूती की स्थिरता का द्योतक है, वहीं आपके बैंक ने भी वर्ष के दौरान अपने कार्य निष्पादन में प्रगति दर्ज की है.

वित्तीय वर्ष 2005-2006 के समाप्त होते-होते बैंक ने बाजार में अपनी जगह की पुर्नस्थापना के लिए स्पष्ट दिशा निर्धारित कर ली है जिसके तहत कारोबार के विकास को और तीव्र बनाने के लिए आस्ति गुणवत्ता के स्तर में सुधार लाने हेतु गैर निष्पादक आस्तियों (एन.पी.ए.) में वसूली को और आक्रामक बनाने के साथ-साथ रिटेल साख, कृषि, कम लागत वाली जमाराशियों एवं लधु व मध्यम उद्यमों को ऋण बढाने के विकास के मूल घटकों के रूप में निर्धारित किया गया है. बैंक द्वारा गत वर्ष के दौरान कारोबार विकास के लिए जो पथ चुना गया था उसके सकारात्मक परिणाम सामने आये हैं तथा बैंक के कार्य निष्पादन में भी उसका प्रतिबिंब दिखाई देता है.

वर्ष के दौरान आपके बैंक का मिश्रित कारोबार 17.12% की दर से बढते हुए रु.32,762 करोड से बढकर रु. 38,371 करोड तक पहुंच गया. बचत बैंक की जमाराशियों में 19.07% तथा कुल जमाराशियों में 13.05% की वृद्धि हुई है. बैंक की मांग जमाराशियां पिछले वर्ष की 42.03% की तुलना में बढकर 43.65% हो गई है जो बैंकिंग उद्योग के सर्वोच्च स्तरों में से एक है.

आपके बैंक के सकल अग्रिम भी 24.30% की उच्च दर से बढते हुए गत वर्ष के रु. 11,865 करोड के मुकाबले रु. 14,748 करोड हो गये है. विकास की इस यात्रा में रिटेल साख, कृषि तथा लधु व मध्यम उद्यम क्षेत्रो की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है जिन्होने क्रमशः 52.16%, 35.10% तथा 35.68% की वृद्धि दर्ज की है. बैंक द्वारा प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों को प्रदान किए गए अग्रिमों की राशि न्यूनतम निर्धारित 40% के स्तर के समक्ष, उसकी निवल साख की 42.203% थी.

वर्ष के दौरान सकल विनिधानो में 11.17% की गिरावट दर्ज की गई तथा ये रु. 9,722 करोड से घटकर रु. 8,635 करोड रह गए. साख की बढती हुई मांग तथा साख पोर्टफोलियो की बेहतर वृद्धिशील प्राप्तियों, प्रतिभूतियों की परिपक्वता की प्राप्तियों में सर्वकालीन वृद्धि एवं प्रतिभूति बाजार में व्याप्त जोखिमो को ध्यान में रखते हुए आप के बैंक ने एक बहुत की विवेकपूर्ण स्थिति के तहत अपने आस्तियों के आधार को विनिधानो से साख पोर्टफोलियो की ओर निरंतर बढाना जारी रखा है.

आपके बैंक ने आस्ति गुणवत्ता पर गंभीरता से विचार करते हुए, द्विस्तरीय रणनीति अपनायी है, जिसके एक स्तर पर संगीन साख निगरानी प्रणाली द्वारा वर्तमान मानक आस्तियों को गैर निष्पादक में तब्दील होने से रोकना है तथा दूसरे स्तर पर हर संभव प्रयास करते हुए बैंक के गैर निष्पादक खातों में वसूली की संभावनाओं को तलाशना है आस्ति गुणवत्ता में सुधार लाने के स्पष्ट दृष्टिकोण के तहत विभिन्न उपाय किए गए जैसे कि छोटे खातों के लिए विशेष एक मुश्त समझौता निपटान योजना, सरफायसी अधिनियम के अन्तर्गत तथा लोक अदालतों के माध्यम से प्रतिभूतिकरण के व्यवसाय में संलग्न कंपनियों को आस्तियों की बिक्री आदि. गैर निष्पादक तथा बट्टे खातो में हुई रु. 304 करोड की नकद वसूलियों के साथ इन प्रयासों के बहुत ही उत्साहजनक परिणाम प्राप्त हुए है.

CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

Dear Shareholders,

Having assumed the charge as Chairman & Managing Director of the Bank on 17th May 2006, I feel privileged to present to you the Annual Report of your bank for the Financial Year 2005-06.

While the Indian economy remained buoyant, with the GDP growth at 8 % and inflation well within the estimated level at about 4 %, your bank also recorded an improved performance, during the year.

The financial year 2005-06 took off with the bank setting a clear direction of re-establishing its market space by identifying 'Retail Credit, Agriculture, SME Lending and Low Cost Deposits' as the *key growth engines* and being aggressive on recovery in NPAs to further improve the Asset Quality and give an impetus to business growth. The performance reflects that the path the bank had treaded during the year has yielded positive results.

The business mix of your bank has increased from Rs. 32762 Crore to Rs. 38371 Cr, registering a growth of 17.12 % during the year. While the Total Deposits have increased by 13.05 %, the Savings deposits have grown by 19.07 %. The demand deposits of the bank constituted 43.65 % of the total deposits, up from 42.03 % in the previous year and is one of the highest in the industry.

The Gross advances of your bank have posted a robust growth of 24.30 %, up from Rs. 11865 Crore to Rs. 14748 Crore. The growth was led by the key growth engines with Retail Credit, Agriculture & SME posting a growth of 52.16 %, 35.10 % & 35.68 %, respectively. Priority Sector Lending was at 42.20 % of the Net Bank Credit as against the mandated level of 40 %.

The Gross Investments decreased from Rs. 9722 Crore to Rs. 8635 Crore, registering a decline of 11.17 % during the year. Your bank had taken a conscience stance to steadily move its asset base from Investments to Credit Portfolio, keeping in view the volatility in the securities market with rise in YTM of securities across all tenors and also looking to the increasing demand and better incremental yield on credit portfolio.

Your bank had taken a solemn call on the Asset Quality, adopting a two pronged strategy. Firstly, by arresting fresh slippages through a robust Credit Monitoring Mechanism and secondly, by rigorously exploring all avenues of recovery in each of NPA accounts of the bank. Various measures viz. Special OTS Scheme for small accounts, Sale of assets to companies engaged in securitisation, through Lok Adalats and under SARFAESI Act etc. were taken with a clear focus to improve the Asset Quality. The efforts yielded encouraging results with cash recoveries of Rs. 304 Crore in NPA & written off accounts during the year.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

परिचालनगत लाभ पिछले वर्ष के रु. 382 करोड की तुलना में 62.31% बढकर रु. 620 करोड हो गया. वृद्धि का मुख्य श्रेय उच्चतम परिचालन गत क्षमता / कारोबार मात्रा, परिचालनगत व्यय में कमी, बट्टे खाते डाले गये अग्रिमों / विनिधानों व अतिशेष स्थिर अस्तियों की बिक्री के लाभ से वसूली में हुई प्रभावशाली वृद्धि को दिया जाता है. हालांकि, गैर निष्पादक आस्तियों एवं निवेशों आदि के लिए रु. 547 करोड का कुल प्रावधान करने के प्रश्चात आप के बैंक ने पूर्ववर्ती वर्ष के रु. 61 करोड की तुलना में वर्ष 2005-06 में रु.72.99 करोड का निवल लाभ दर्ज किया है. वर्ष के दौरान किये गये प्रावधानो में 70.41% की वृद्धि के बावजूद निवल लाभ में 19.66% की वृद्धि हुई है.

आपके बैंक की सकल गैरनिष्पादक आस्तियां पूर्ववर्ती वर्ष के रु. 1148 करोड से और घटकर रु. 949 करोड हो गई जो सकल अग्रिमो की 6.44% थी. निवल गैर निष्पादक अस्तियां रु. 591 करोड से घटकर रु. 432.85 करोड़ हो गई और पूर्ववर्ती वर्ष 2004-2005 की समाप्ति पर 5.23% की तुलना में निवल अग्रिमो की 3.04 रहीं.

आपके बैंक का पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सी.आर.ए.आर) 31 मार्च 2005 के 11.91% से घटकर 10.62% हो गया. फिर भी यह ध्यान देना प्रासंगिक होगा कि वर्ष के दौरान करीबन 25% की साख वृद्धि दर्ज करने के बावजूद तथा बाजार जोखिमो हेतु प्रावधान करने के बावजूद यह 9% के अपेक्षित स्तर से पर्याप्त अधिक है.

आपके बैंक ने वर्ष के दौरान प्रगति की ओर अपने कदम बढाने के लिए कई ठोस उपाय किए. खुदरा भाग के रुप में बैंक ने अपने ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूरे देश में 50 फिनमार्टो की स्थापना की है. खुदरा ऋण के तीव्रतर लाभार्जन और एकलबिंदु सुपुर्दगी के लिए मुंबई में केन्द्रीय प्रसंस्करण केन्द्र के संस्थापन को और मजबूत बनाने के लिए इस पर विशेष जोर दिया है.

आपके बैंक की ग्रामीण उपायो को आगे बढाने, विशेष रुप से गुजरात के ग्रामीण एवं अर्धशहरी केन्द्रो में अपनी मजबूत उपस्थिति कायम रखने में प्रमुख भूमिका रही है. इसके अतिरिक्त, सर्व प्रथम **शर्तरहित खाते** और **सामान्य क्रेडिटकार्ड** प्रारंभ करने के कारण वित्तीय समावेश से संबंधित उपायो में भी अग्रगण्य रहा है. हमारे बैंक ने किसान क्रेडिट कार्ड जारी करने में और प्रगति की है. रु.526 करोड की राशि के एक लाख कार्ड बैंक द्वारा अब तक जारी किए जा चुके है. जिसमें रु. 25 करोड की राशि वाले 1724 नये स्वयंसहायता समूहो को वित्त पोषण प्रदान किया गया है जिनकी कुल संख्या अब बढकर 3542 हो गई है, और वर्ष कि समाप्ति पर 500 नये किसान क्लबो का गठन करके अब किसान क्लबो की कुल संख्या 600 से अधिक हो गई है.

बैंक ने ग्रामीण ऋण सुपुर्दगी व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए **देना ग्रामीण इंटरनेट कियोस्क** और **देना भूमिहीन क्रेडिटकार्ड योजना** आदि जैसे कुछ और उत्पादों को आरंभ किया है. बैंक ने अपनी चैयनित शाखाओं में विभिन्न कृषि उत्पादों के मूल्यों की सूचियां भी किसानो के हितार्थ प्रदर्शित करने के लिए एन.सी.डी.ई.एक्स. और गोदाम रसीद पर संपार्श्विक आधारित वित्तपोषण के लिए एन.सी.एम.एस.एल. के साथ गठजोड व्यस्था की है.

CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

The Operating Profit for the year was Rs. 620 Crore as against Rs. 382 Crore in the previous year, registering an increase of 62.31 %. The growth is mainly attributed to higher operational efficiency / business volume, decline in operating expenses, a stupendous increase in Recovery in Written off advances / Investments and profit from sale of surplus fixed assets. However, after making a total provision of Rs. 547 Crore for NPAs & Investments etc., your bank posted a Net Profit of Rs. 72.99 Crore for the year 2005-06, as against Rs. 61 Crore in the previous year. The increase in Net Profit of 19.66% was achieved despite an increase of 70.41% in provisions made during the year.

The Gross NPAs of your bank were further reduced to Rs. 949 Crore down from Rs. 1148 Crore in the previous year and were 6.44 % of the Gross Advances. The Net NPAs were at Rs. 432.85 Crore, declined from Rs. 591 Crore and were 3.04 % of the Net Advances as against 5.23 % as at the end of previous year 2004-05.

The Capital Adequacy Ratio (CRAR) of your bank stood at 10.62 %, declined from 11.91 % as at 31st March 05. However, it is pertinent to note that this is well above the mandated level of 9 %, despite providing for market risk and posting a credit growth of nearly 25 %, during the year.

Your bank had taken several initiatives during the year, in its march towards progress. On the retail front, the bank had operationalised 50 Finmarts all across, to cater to the retail lending needs of the customers. The thrust on this segment was given a further impetus with establishment of a 'Central Processing Centre' at Mumbai for faster turnaround & single point delivery of retail credit.

Your bank had a major foray into rural initiatives, leveraging its sound presence in rural & semi urban centers, particularly in Gujarat. Besides pioneering into the measures on financial inclusion by being the 1st to introduce 'No frills A/c' and 'General Credit Card', your bank had made a further headway in issuing 'Kisan Credit Cards' that *exceeded the landmark 1 lac cards* involving Rs. 526 Crore; in financing 1724 new Self help Groups increasing the number to 3542, involving Rs. 25 Crore; and in formation of 500 new Farmer Clubs taking the total number of Farmers Clubs to over 600, as at the end of the year.

In order to further strengthen the rural credit delivery mechanism, a few more products viz. Dena Rural Internet Kiosk Scheme & Dena Bhumiheen Credit Card Scheme etc. were launched. Bank had also entered into a tie up arrangement with NCDEX for display of price tickers of agricultural commodities and with NCMSL for collateral based financing against warehouse receipts, at select branches, for the benefit of farmers.

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य

40 विशिष्ट शाखाएं लधु एवं मध्यम उद्यम/लधु उद्योग शाखा के रुप में नामित की गई है. लधु एवं मध्यम उद्यम क्षेत्रो को ऋण प्रदान करने को सरल एवं कारगर बनाने के लिए शाखा कार्यकर्ताओं को ऋण स्वीकृति हेतु अतिरिक्त अधिकार प्रदान किये गये है. ऋण प्रदान करने हेतु उपयुक्त ग्राहकों की पहचान करने और उनकी अर्थ क्षमता का निर्धारण करने के लिए सिडबी और स्मेरा (एस.एम.ई के लिए रेटिंग एजेंसी) के साथ समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर किए है. इसके अतिरिक्त विशेष रूप से लधु एवं मध्यम वर्ग की आवश्यक्ताओं को पूरा करने के लिए बैंक ने **चेनल वित्त पोषण** तथा **चावल एवं दाल मिल योजना** नामक अपने दो उत्पाद भी प्रारंभ किये है.

बैंकिंग उद्योग में गैर ब्याजगत आय बढाने के लिए बदलाव की एक ज़ोरदार लहर चल रही है और यह समय की मांग भी है. वर्ष के दौरान बैंक ने इसके लिए एक मजबूत प्लेटफार्म तैयार किया है जिसके तहत भारतीय जीवन बीमा के विभिन्न उत्पादो की बिक्री हेतु उसके साथ गठजोड व्यवस्था की गई है जो साधारण बीमा उत्पादों हेतु ओरियंटल इन्श्योरंस कंपनी के साथ पहले से मौजूद व्यवस्था के अतिरिक्त है. इन व्यवस्थाओं को वर्तमान वर्ष के दौरान वास्तविक रुप से सफल बनाने हेतु सभी संभव प्रयास किए जा रहे है. इसके अतिरिक्त चार पारस्परिक निधियों अर्थात आई.सी.आई.सी.आई. प्रुडेन्सियल, यू.टी.आई. म्युचुअल, एल.आई.सी. म्युचुअल तथा टेम्पलटन फ्रेंकलिन के साथ भी उनके उत्पादो के बिक्री हेतु गठजोड व्यवस्था की गई है.

उसी प्रकार आपका बैंक विकास के मुख्य तत्वों अर्थात मानव संसाधनो के विकास एवं संरचना पर भी समान रुप से ध्यान केन्द्रित कर रहा है. गत वर्ष के दौरान बैंक ने 141 नये अधिकारियों की भर्ती की है तथा वर्तमान वर्ष के दौरान विभिन्न विशेषीकृत क्षेत्रों तथा कैडरों में 600 नये अधिकारियों की भर्ती करने की बैंक की योजना है. शाखाओं में अग्रिम पंक्ति के अधिकांश स्टाफ सदस्यों को ग्राहक उन्मुख पाठ्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया है. इस प्रक्रिया को वर्तमान वर्ष में भी जारी रखा जायेगा. बैंक ने स्टाफ यूनियनों / एसोसिएशनो के साथ एक समझौता ज्ञापन भी बनाया है जिसके अंतर्गत कर्मचारी वर्ष के दौरान बैंक के कारोबार विकास तथा उच्च उत्पादकता हेतु स्वेच्छापूर्वक और कार्य करेंगे. बैंक द्वारा किए गए इस प्रयास को बैंकिंग उद्योग ने एक श्रेष्ठ परंपरा के रुप में माना जा रहा है. आपका बैंक उक्त प्रयासों के लिए गौरवान्वित महसूस करने का अधिकारी है तथा इसे भविष्य में जारी रखने का संकल्प करता है.

तकनीक अब बैंकों में प्रतिस्पर्धा के स्थान पर उनकी आधार रेखा बन गई है. आपके बैंक को सदैव एक टेक्नो सेवी संस्थान के रुप में जाना जाता रहा है. तदनुसार, बैंक का 98.3% कारोबार करनेवाली शाखाओं के 100% कंप्यूटरीकरण सहित नेटवर्क पर 925 शाखाएं और 240 ए.टी.एमो. से संबंद्ध बैंक का अपना निजी देना नेट है. बैंक वर्तमान वर्ष की पहली छमाही में कोरबैंकिंग समाधान को शामिल करने के लिए सावधानी पूर्वक निरंतर प्रगति के पथ पर है. कारोबार प्रक्रिया को प्रभावी बनाना और डाटा शोधन का कार्य प्राथमिकता के आधार पर उचित ढंग से आगे बढ रहा है ताकि कोरबैंकिंग समाधान को वास्तविक लाभ मिल सके. तकनीकी उन्नयन को नियंत्रित करते हुए हम अपने विविध उत्पादो की बिक्री बढाने में सफल हो सकेंगे. इसे सफल बनाने हेतु प्रक्रिया को युक्तियुक्त बनाने के अतिरिक्त अपनी विपणन व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु हमारे प्रयास जारी है.

स्पष्टतः सुदृढ़ एवं स्थायी ढांचे के लिए एक मजबूत नींव रखी गई है. हमें आशा है कि इससे हमारे शेयरधारकों की मूल्य वृद्धि होगी, ग्राहको तथा समर्पित देनाकर्मियों को संतुष्टि मिलेगी. मैं बैंक के इन प्रयासों में आपके निरंतर सहयोग की अपेक्षा रखता हूं.

(पी. एल. गैरोला)
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

40 Specialised branches were designated as SME/SSI branch, with additional sanctioning powers delegated to the branch functionaries to streamline growth of credit in the SME sector in a focused manner. Memorandum of Understanding (MOUs) were signed with SIDBI and SMERA (rating agency for SME) to identify and assess the viability of suitable clients for extending credit. Two new products viz. 'Channel Financing' & 'Financing Scheme for Rice & Dal Mills' were launched, more particularly to cater to the needs of the SME segment.

'Convergence' has been a buzzword in the industry and the need of the hour too, to shore up the Non Interest Income. The bank has laid a strong platform during the year, by entering into a tie up arrangement with LIC for selling life insurance products along with the existing arrangement with Oriental Insurance for non-life products and is now geared up to really take off during the current year. Besides, tie ups have been made with four mutual funds viz. ICICI Prudential, UTI mutual, LIC mutual & Templeton Franklin for selling of their products.

Your bank has been equally focused on the creation & development of Human Resources, the key ingredient for growth. During the year, the bank had recruited 141 new officers and have plans to recruit further 600 officers covering various specialisations & cadres, during the current year. A large section of the front line staff at branches had undergone a customer centric crash course. The process will further be continued in the current year. During the year, the bank had entered into an MoU with the staff unions/associations for voluntary participation of the employees in the business growth and higher productivity. This measure of the bank has been termed as one of the ***Best Practice in the Banking Industry.*** Your bank deservedly takes pride in taking the initiative and resolves to carry it forward.

Technology is no more considered as a competitive edge but has now become the base line for the banks. Your bank has always been considered as a techno savy institution. Accordingly, the bank holds a privilege of having its own 'Denanet' connecting 925 branches and 240 ATMs on the network with 100 % computerization of branches covering 98.3 % business of the bank. The bank has been making a careful and steady progress in rolling out the Core Banking Solution, slated for the 1st half of the current year. The business process re-engineering and the data cleansing have aptly been on the priority so as to reap the real benefits of the Core Banking Solution. In order to leverage technological upgradation, we shall be able to cross sell our various products. To make this a success we shall strengthen our marketing setup besides streamlining the processes.

Clearly, a strong foundation has been laid for a robust and enduring structure that will hopefully generate a stream for enhancing shareholder value, satisfaction to our customers and the devoted Denaites. I solicit your continued support in our this endeavour.

(P L Gairola)
Chairman & Managing Director

www.reportjunction.com

SANSCO SERVICES - Annual Reports Library Services - www.sansco.net

वर्ष 2005-2006 के संक्षिप्त कार्य परिणाम SUMMARISED WORKING RESULTS - 2005-2006

निरंतर लाभार्जन यात्रा

बैंक ने प्रतिकूल परिदृश्य के बावजूद सभी मापदण्डों पर पर्याप्त सुधार दर्ज करते हुए अपनी लाभार्जन यात्रा जारी रखी.

कारोबार वृद्धि

बैंक का कुल कारोबार संमिश्र पहली बार रु.38,371 करोड़ के स्तर को पार कर गया. बैंक की जमाराशियाँ 13.05% की वृद्धि दर्ज करते हुए रू. 23,623 करोड़ के स्तर तक पहुँच गई. कुल जमाराशियों में अल्प लागत वाली जमाराशियों के अंश में 219 आधार बिन्दुओं की प्रभावी वृद्धि परिलक्षित हुई. और यह वृद्धि 44.15 के स्तर तक पहुँच गई.

सकल अग्रिमों में वृद्धि की दृष्टि से बैंक ने प्रभावी कार्य-निष्पादन दर्ज किया और उसमें 2883 करोड़ की बढ़ोत्तरी हुई. जिसके फलस्वरूप वे 31 मार्च, 2005 के रू. 11,865 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2006 को रू. 14,748 करोड़ हो गए. यह वृद्धि 24.30% रही.

प्राथमिकता क्षेत्र एवं खुदरा अग्रिम

प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिमों का अनुपात भारतीय रिज़र्व बैंक के 40% के निर्धारण की तुलना में बैंक के निवल ऋण का 42.21% था.

वर्ष के दौरान बैंक का खुदरा ऋण रू.1,477 करोड़ से बढ़कर रू. 2,249 52.12% करोड़ के रूप में दोगुना हो गया.

निवेश

विश्वव्यापी प्रतिभूति बाजार में विद्यमान प्रतिकूल परिदृश्य को देखते हुए बैंक ने निवेश पोर्टफोलियो के प्रति अत्यधिक सजग दृष्टिकोण अपनाया था. इसके फलस्वरूप उक्त पोर्टफोलियो रू. 9722 करोड़ से थोड़ा घटकर रू. 8635 करोड़ रह गया.

आस्ति गुणवत्ता

वर्ष के दौरान बैंक की सकल गैर निष्पादक आस्तियों में 17.27% की कमी आई. और वे रू. 1148 करोड़ से घटकर रू. 949 करोड़ रह गई. इस कमी के अनुरूप ही बैंक की निवल गैर निष्पादक आस्तियों में 26.76% की कमी आई और वे रू. 591 करोड़ से घटकर रू. 433 करोड़ रह गई. गैर निष्पादक आस्तियों के लिए प्रावधान सुरक्षा भी 46.72% से बढ़कर 52.61% हो गई.

लाभ

वर्ष 2005-06 के परिचालनगत लाभ में 62.13 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है. वर्ष 2004-05 के दौरान रुपये 382.18 करोड़ की तुलना में वर्ष का परिचालनगत लाभ रु. 620.32 करोड़ रहा. बैंक ने वर्ष 2004-05 के रुपये 61.00 करोड़ की तुलना में वर्ष 2005-06 में 19.66 प्रतिशत की वृद्धि सहित रुपये 72.99 करोड़ का निवल लाभ दर्ज किया है.

पूंजी पर्याप्तता अनुपात

इस वर्ष पूंजी पर्याप्तता अनुपात बढ़कर 10.62 प्रतिशत हो गया.

कंम्प्यूटरीकरण

31 मार्च, 2006 के दिन बैंक की सभी शाखाएँ कम्प्यूटरीकृत हो चुकी हैं. जिनमें से 1155 शाखाएँ पूर्णतः कम्प्यूटरीकृत थीं. 98% से अधिक बैंक कारोबार कम्प्यूटरों पर किया जाता है. बैंक ने वर्ष के दौरान 85 एटीएम स्थापित किए जिससे एटीएमों की कुल संख्या 240 हो गयी. बैंक ने ग्राहक सेवा का स्तर सुधारने के लिए वर्ष के दौरान कई ग्राहकोनुकूल प्रौद्योगिक आधारित योजनाएँ आरम्भ की.

उत्पादकता अनुपात

बैंक का प्रति कर्मचारी कारोबार 31 मार्च, 2004 के रू. 2.74 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2005 को रू. 3.13 करोड़ हो गया.

प्रति शाखा कारोबार 31 मार्च, 2004 के रू. 26.96 करोड़ से बढ़कर 31 मार्च, 2005 के दिन रू. 28.46 करोड़ हो गया.

CONTINUED TURNAROUND JOURNEY

The Bank continued its turnaround journey, despite adverse scenario, by recording considerable improvement on many parameters.

BUSINESS GROWTH

The Total Business Mix of the Bank crossed Rs.38,371 crores for the first time. The Deposits of the Bank had reached a level of Rs. 23,623 crores by recording 13.05% growth. The share of low cost deposits in aggregate deposits has shown an impressive increase of 219 bps to reach a level of 44.15%

The Bank posted impressive performance in terms of increase in Gross Advances by Rs.2883 crores from Rs.11,865 crores as at 31st March 2005 to reach a level of Rs.14,748 crores by 31st March 2006 i.e. an increase of 24.30%.

PRIORITY SECTOR & RETAIL ADVANCES

The Ratio of Priority Sector Advances constituted 42.21% of Bank's Net Credit as against the RBI prescription of 40%.

Retail credit of the Bank increased by 52.12% during the year from Rs.1,477 crores to Rs. 2,249 crores.

INVESTMENTS

In view of the adverse scenario in the G-Sec market, the Bank had adopted a very cautious approach to investments portfolio. As a result, the portfolio marginally decreased from Rs. 9722 crores to Rs. 8635 crores.

ASSET QUALITY

Gross NPAs of the Bank were reduced by 17.27% from Rs.1148 crores to Rs. 949 crores during the year. Corresponding to this reduction, Net NPAs of the Bank declined by 26.76% from Rs.591 crores to Rs.433 crores. The provision cover for NPAs has also increased from 46.72% to 52.61%.

PROFIT

The operating profit for the year 2005-2006 has recorded an increase of 62.31%. The Operating profit for the year was Rs 620.32 crores in comparision to Rs 382.18 crore during 2004-05. The Bank posted a net profit of Rs 72.99 crore for the year 2005-06 against Rs 61crore for 2004-05, an increase of 19.66%.

CAPITAL ADEQUACY RATIO

Capital Adequacy Ratio stood at 10.62%

COMPUTERISATION

As at 31st March 2006, all branches of the Bank are computerized with 1155 branches fully computerized. Over 98% of the Bank business is on computers. The Bank installed 85 ATMs during the year taking the total number of ATMs to 240.

PRODUCTIVITY RATIOS

Bank's Per Employee business mix went up from Rs.3.11 crore as on 31st March 2005 to Rs.3.64 crore as on 31st March 2006.

The Per Branch Business mix increased from Rs.30.73 crore as on 31stMarch 2005 to Rs.36.11 crore as on 31stMarch 2006.

www.reportjunction.com